आज़ादी का अमृत महोत्सव

26वां दीक्षांत समारोह

उदयन

बुन्देलखण्ड विश्वविद्यालय, झाँसी, उत्तर प्रदेश

कुलगीत

चिरविजयी हिन्द-राष्ट्र हृदय-निधि प्रभो, यह बुन्देलखण्ड विश्वविद्यालय हो ॥
यह स्वतंत्रालय यह समतालय हो, यह सुबन्धुतालय यह शुचितालय हो ॥
सतत प्रगति-परिशीलन-शोधालय हो, यह प्रबुद्धजनगण-संकल्पालय हो ॥
चिरविजयी हिन्द-राष्ट्र-हृदय-निधि प्रभो, यह बुन्देलखण्ड विश्वविद्यालय हो॥
यह सुविदित विन्ध्याचल विनयालय हो, यह गुरु-गरिमा-प्रज्ञा-श्रद्धालय हो ॥
यह जनानुशासनोपदेशालय हो, सतत ज्ञान-भाव-कर्म-धर्मालय हो ॥
चिरविजयी हिन्द-राष्ट्र-हृदय-निधि प्रभो, यह बुन्देलखण्ड विश्वविद्यालय हो॥
लक्ष्मीबाई-सम-शिव-शौर्य-निधि प्रभो, यह बुन्देलखण्ड विश्वविद्यालय हो॥
चिरविजयी हिन्द-राष्ट्र-हृदय-निधि प्रभो, यह बुन्देलखण्ड विश्वविद्यालय हो॥

बुन्देलखण्ड विश्वविद्यालय
झाँसी

बुन्देलखण्ड विश्वविद्यालय, झाँसी

26वाँ दीक्षान्त समारोह

दिनांक 11 जनवरी 2022

स्मारिका उड्डयन

सत्यमेव जयते

प्रधान मंत्री
Prime Minister
संदेश

बुंदेलखण्ड विश्वविद्यालय, झांसी के 26वें दीक्षांत समारोह के आयोजन व इस अवसर पर स्मारिका के प्रकाशन के विषय में जानकर प्रसन्नता हुई है।

विश्वविद्यालय केवल उच्च शिक्षा का केंद्र भर नहीं होता, यह हमारे युवा साथियों के लिए ऊर्जा भूमि और प्रेरणा भूमि है। विश्वविद्यालय प्रांगण हमें अपने सामर्थ्य को पहचानने, उसे निखारने और अपने लक्ष्यों एवं संकल्पों को साधने की शक्ति प्रदान करने वाली प्रेरणास्थली है।

देश और दुनिया की भविष्य की जरूरतों के अनुसार हमारी नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति का फोकस भी समयानुकूल क्षमता और कौशल सृजन पर है, जिससे हमारे युवा अधिक प्रतिस्पर्धी और सक्षम होंगे। यह देखकर सुखद अनुभूति होती है कि हमारी युवा पीढ़ी 'आत्मनिर्भर भारत' के निर्माण के प्रण मे अपनी सोच और प्रयासों को जोड़ कर उसे निरंतर मजबूती दे रही है।

मुझे विश्वास है कि विश्वविद्यालय से दीक्षा प्राप्त कर बाहर की दुनिया में कदम रख रहे विद्यार्थी अपनी ऊर्जा, आत्मविश्वास और प्रयासों को देश की आकांक्षाओं से जोड़कर सशक्त भारत के निर्माण में अपना अमूल्य योगदान देंगे।

दीक्षा प्राप्त कर रहे सभी विद्यार्थियों, उनके अभिभावकों, विश्वविद्यालय के शिक्षकों एवं कर्मियों को दीक्षांत समारोह एवं भविष्य के प्रयासों के लिए अनेक शुभकामनाएं।

(नरेन्द्र मोदी)

नई दिल्ली
अग्रहायण 18, शक संवत् 1943
09 दिसंबर, 2021

बुंदेलखण्ड विश्वविद्यालय, झाँसी BUNDELKHAND UNIVERSITY, JHANSI
1975
विद्यया ऽमृतमश्नुते

आनंदीबेन पटेल
राज्यपाल, उत्तर प्रदेश

सत्यमेव जयते

राज भवन
लखनऊ - 226 027

19 दिसम्बर, 2021

सन्देश

यह अत्यन्त प्रसन्नता का विषय है कि बुन्देलखण्ड विश्वविद्यालय, झांसी द्वारा 11 जनवरी, 2022 को अपने 26वें दीक्षांत समारोह का आयोजन किया जा रहा है। इस अवसर पर स्मारिका का प्रकाशन भी किया जा रहा है।

विद्यार्जन की यात्रा में दीक्षांत समारोह विद्यार्थियों के लिए गौरव की अनुभूति कराने वाल दिन होता है। विद्यार्थी यहां से एक जिम्मेदार नागरिक के रूप में स्वस्थ समाज के निर्माण में अपना योगदान देने के लिए कर्तव्य पथ पर आगे बढ़ते है। मुझे पूर्ण विश्वास है कि इस अवसर पर प्रकाशित स्मारिका में संकलित लेख इन विद्यार्थियों के लिए उपयोगी सिद्ध होंगे और वे जीवन की चुनौतियों को सकारात्मक रूप से सुलझाते हुए देश और प्रदेश के विकास में अपना महत्वपूर्ण योगदान देंगे।

मैं दीक्षान्त समारोह के आयोजन एवं स्मारिका के सफल प्रकाशन के लिये अपनी हार्दिक शुभकामनाएं प्रेषित करती हूँ।

आनंदीबेन

(आनंदीबेन पटेल)

दूरभाष : 0522-2236497 फैक्स : 0522-2239488 ईमेल : hgovup@nic.in वेबसाइट : www.upgovernor.gov.in

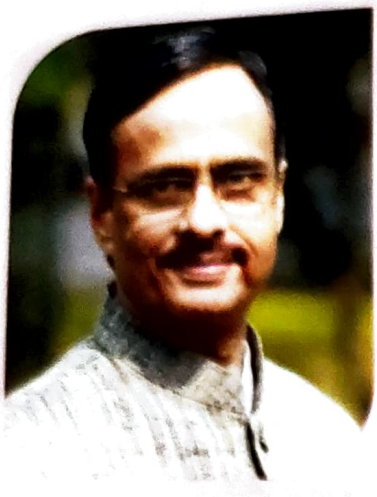

डॉ0 दिनेश शर्मा

उप मुख्यमंत्री
उत्तर प्रदेश

99-100, विधान भवन
लखनऊ

दिनांकः 06/12/2021

सन्देश

यह हर्ष का विषय है बुन्देलखण्ड विश्वविद्यालय, झाँसी द्वारा दिनांकः 11 जनवरी 2022 को अपना 26वाँ वार्षिक दीक्षान्त समारोह का आयोजन किया जा रहा है। इस अवसर पर विश्वविद्यालय द्वारा एक स्मारिका का प्रकाशन भी किया जायेगा, जिसमें विश्वविद्यालय के विगत वर्षों की उपलब्धियों एवं अन्य ज्ञानोपार्जन सामग्री का समावेश होगा।

वीरांगना रानी लक्ष्मी बाई की पावन धरती झाँसी में स्थित बुन्देलखण्ड विश्वविद्यालय, झाँसी प्रदेश ही नही बल्कि सम्पूर्ण देश की युवा पीढ़ी को उनमें अर्न्तनिहित उद्यमिता एवं नवाचार की असीम संभावनाओं को विकसित करते हुये उन्हें जीवन के पथ पर सफलतापूर्वक अग्रसर कराने की भूमिका का निर्वहन करेगा।

मुझे आशा ही नहीं बल्कि पूर्ण विश्वास है कि राष्ट्रीय सेमिनार में उच्च शिक्षा के क्षेत्र में गुणात्मक सुधार हेतु गहन विचार–विमर्श होगा तथा इसके सार्थक परिणाम परिलक्षित होंगे, जिससे विद्यार्थी लाभान्वित हो सकेंगे।

दीक्षान्त समारोह के आयोजन एवं स्मारिका के सफल प्रकाशन के लिये मेरी हार्दिक शुभकामनायें।

(डॉ0 दिनेश शर्मा)

प्रो0 मुकेश पाण्डेय जी
कुलपति
बुन्देलखण्ड विश्वविद्यालय, झाँसी।

डॉ. वी.के. सारस्वत
Dr. V.K. Saraswat
सदस्य
Member
Tele : 23096566, 23096567
Fax : 23096603
E-mail : vk.saraswat@gov.in

भारत सरकार
नीति आयोग, संसद मार्ग
नई दिल्ली–110 001
Government of India
NATIONAL INSTITUTION FOR TRANSFORMING INDIA
NITI Aayog, Parliament Street
New Delhi-110 001

शुभकामना सन्देश

मुझे यहाँ जानकर हार्दिक प्रसन्नता हो रही है कि बुन्देलखण्ड विश्वविद्यालय झाँसी 11 जनवरी 2022 को अपना 26वां दीक्षांत समारोह मना रहा है। इस अवसर पर स्मारिका का प्रकाशन भी किया जाएगा।

देश के नवनिर्माण एवं विकास में शिक्षण संस्थानों, शिक्षकों, विद्यार्थियों की बहुत ही महत्वपूर्ण भागीदारी होती है। इस दृष्टिकोण से नए युग की संरचना करने वाली, धरा को नव पुष्पित पल्लवित करने वाली नई पीढ़ी के लिए निश्चय ही 'दीक्षांत समारोह' महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन करते हैं। मैं विद्यार्थियों से अवाह्न करता हूँ कि ये देश के विकास और समृद्धि के लिए ऐसी प्रतिष्ठा अर्जित करें जो दूसरों के लिए अनुकरणीय हो।।

दीक्षांत के सफल आयोजन एवं स्मारिका प्रकाशन के लिए मैं अपनी हार्दिक शुभकामनाएं प्रेषित करता हूँ।

नई दिल्ली
29.12.2021

(डॉ विजय कुमार सारस्वत)

बुन्देलखण्ड विश्वविद्यालय, झाँसी BUNDELKHAND UNIVERSITY, JHANSI
1975
विद्यया अमृतमश्नुते

स्वच्छ भारत
एक कदम स्वच्छता की ओर

डॉ. एम. रविचंद्रन
Dr. M. Ravichandran

सचिव
भारत सरकार
विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय
विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग
Secretary
Government Of India
Ministry of Science and Technology
Department of Science and Technology

29th November 2021

MESSAGE

It gives me immense pleasure to know that Bundelkhand University, Jhansi is organizing its 26th Convocation on 11th January, 2022 Situated in the historical land of Jhansi, the University has been instrumental in promoting higher education and research for the betterment of the region. It is heartening to note that the University is offering more than hundred courses in the fields of basic, technical and professional education through its 27 Institutes of higher learning.

I extend my best wishes and congratulations to the Vice Chancellor, members of the Executive Council and Academic Council, faculty members and administrative staff, Alumni, students and their proud parents as well as all well-wishers, for joining hands in upgrading the academic ambience of Jhansi city and spreading awareness on various aspects of higher education.

On this occasion, I congratulate all the Graduating students and extend my best wishes to them for their future endeavors.

I wish the 26th Convocation of Bundelkhand University, Jhansi a grand success.

(M. Ravichandran)

Technology Bhavan, New Mehrauli Road, New Delhi - 110016
Tel: 0091 11 26511439 / 26510065 | Fax: 00 91 11 26863847 | e-mail: dstsec@nic.in | website: www

डॉ. शेखर चिं. मांडे
एफएनए, एफएएससी, एफएनएएससी
सचिव
वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग तथा
महानिदेशक
Dr. Shekhar C. Mande
FNA, FASc, FNASc
Secretary
Department of Scientific & Industrial Research and
Director General

भारत सरकार
विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय
वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परिषद
वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग
Government of India
Ministry of Science and Technology
Council of Scientific & Industrial Research
Department of Scientific & Industrial Research

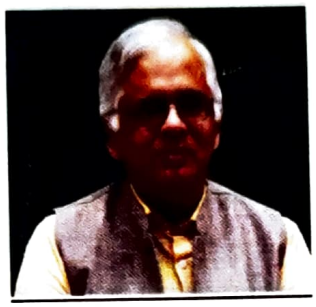

Message

I am happy to know that Bundelkhand University, Jhansi is organizing 26th Convocation on 11th January, 2022.

Situated in the historical land of Jhansi, the University has been instrumental in promoting higher education and research for the betterment of the region. It gives me pleasure to note that the University is offering more than hundred courses in the fields of basic, technical and professional education through its 27 Institutes of higher learning.

On this occasion, I extend my best wishes and congratulate all the Graduating students for their great future. I wish the Twenty Sixth Convocation a grand success.

New Delhi
30 November,2021

(Shekhar C. Mande)

Anusandhan Bhawan, 2, Rafi Marg, New Delhi-110001
Tel. : 23710472, 23717053, Fax : (91-11) 23710618, E-mail : secy-dsir@gov.in, dgcsir@csir.res.in and dg@csir.res.in, Website : www.csir.res.in

प्रो. धीरेन्द्र पाल सिंह
अध्यक्ष
Prof. D. P. Singh
Chairman

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग
शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार
University Grants Commission
Ministry of Education, Govt. of India

MESSAGE

I am pleased to know that the Bundelkhand University, Jhansi, is organizing its Twenty Sixth Annual Convocation on 11th January, 2022. The Convocation is a historic occasion in the life of the University, particularly for the graduates, who would be awarded degrees and decorated with medals during the ceremony. On this occasion, the University is planning to publish a Souvenir highlighting the achievements made by the University in the past years.

I extend my best wishes and greetings to the Vice Chancellor - Prof. Shamsher, Registrar, members of the Executive Council and Academic Council, faculty, officers, non-teaching staff, students, alumni, parents of the graduating students and most importantly the graduands who are commencing their journey of translating their education to serve humanity and to emerge as competent global citizens. On this land mark occasion of their academic life, I congratulate them and wish them all success in their future endeavours.

I wish the Convocation and the Souvenir release a grand success.

(Prof. D.P. Singh)

25th November, 2021

बहादुरशाह ज़फर मार्ग, नई दिल्ली-110002, Bahadur Shah Zafar Marg, New Delhi-110002
दूरभाष Phone : कार्यालय Off. : 011-23234019, 23236350, फैक्स Fax : 011-23239659, e-mail : cm.ugc@nic.in | web: www.ugc.ac.in

कुलपति की कलम से'

परिसर में अध्ययन के समापन का अनुष्ठान है दीक्षांत

उदित हो रही ज्ञानप्रभा की बेला है। यह उदय अपार ऊर्जा से सराबोर है। इस उदय में सृजन के अनगिनत सपने हैं। इस उदय में असीम संभावनाएं हैं। इस उदय में अप्रतिम आलोक है। इसीलिए इसकी संज्ञा ही उदयन है।

26 वें दीक्षांत की स्मारिका के स्वरूप में ''उदयन'' आपके हाथों में सौपते हुए अपार हर्ष का अनुभव कर रहा हूं ।उदयन विश्वविद्यालय द्वारा बिखेरी जा रही ज्ञान आलोक का प्रतीक है जो अपने उदय काल के बाद संपूर्ण विश्व को ज्ञानसे आलोकित कर रहा है। यह उदयन विश्वविद्यालय परिसर से संचित ज्ञान का एक प्रतिबिंब है,चिंतन का आधार है,मूल्य , ज्ञान और संस्कार आधारित शिक्षा का सार है।

यह सारस्वत यज्ञ है – विद्या, ज्ञान, शिक्षा और दीक्षा। एक दूसरे से जुड़े शब्द ही नही हैं बल्कि मनुष्य को मानवीय संरचना में संस्कृत करने के क्रम हैं। दीक्षांत शब्द दीक्षा से आया है। दीक्षा अर्थात कोई भी शिक्षार्थी या जिसे छात्र कहते हैं, जब वह किसी गुरुकुल में प्रथम प्रवेश पाता था तो गुरु यानी आचार्य द्वारा पहले उसको दीक्षा दी जाती थी। उसके बाद उसके शिक्षण के दिन आरंभ होते थे। जब वह शिक्षा समाप्त कर लेता था और संबंधित गुरुकुल से बाहर आकर गृहस्थ जीवन मे प्रवेश करने या समाज मे सक्रिय भूमिका निभाने के योग्य हो जाता था तब ऐसे छात्र के लिए दीक्षांत का अनुष्ठान किया जाता था। यह प्राचीन भारतीय शिक्षा परंपरा का एक अत्यावश्यक अनुष्ठान था जिसके संकल्प निभाने की जिम्मेदारी जीवन भर संबंधित छात्र या उस मनुष्य की होती थी।

आचार्य या ऋषि या गुरु द्वारा एक सम्पूर्ण सुसंस्कारित, शिक्षित और योग्य मनुष्य तैयार कर उसे परिवार, समाज और राष्ट्र को समर्पित करने का यह अनुष्ठान ही वस्तुतः दीक्षान्त है। यह सभ्यताओं की यात्रा में शब्द रूप में तो बचा रह गया लेकिन इसका क्रम बाधित हो गया। सभ्यता की यात्रा और काल विचलन ने इस क्रम में से विद्या, ज्ञान और शिक्षा को अलग अलग ऐसा किया कि दीक्षान्त का वास्तविक स्वरूप नही रह सका और इसको परिसर के वार्षिकोत्सव जैसा होकर रहना पड़ा। विद्या ग्रहण करने के लिए आचार्य को अर्पित किए जाने वाले छात्र और छात्र जीवन की अवधि में भी बहुत परिवर्तन हुआ।

कालांतर में इसी भारतीय परंपरा को ईसाई धर्म ने अपने शिक्षण व्यवस्था का हिस्सा अपने ढंग से बनाया और चर्चो की शिक्षा पद्धति में इसे शामिल किया। प्राचीन भारतीय विश्वविद्यालयों के नष्ट हो जाने के बाद भी अंग्रेजी साम्राज्य के विस्तार और उनकी शैक्षणिक क्रियाविधि में इसको कॉन्वोकेशन के रूप में अपनाया गया। अब दुनिया के सभी विश्वविद्यालयों में इसे कॉन्वोकेशन के नाम से ही जाना जाता है । वस्तुतः, एक प्रकार से यह विश्वविद्यालयों के एक वार्षिक समारोह ही बन गया है।

भारतीय शिक्षा के इतिहास में दीक्षा और दीक्षांत बहुत ही महत्वपूर्ण संस्कार भी हैं और अनुष्ठान भी। प्राचीन भारत के किसी भी गुरुकुल या विश्वविद्यालय में शिक्षा का आधार मानव कल्याण और समाज संचालन की व्यवस्था ही रहा है। इसीलिए छात्रों की रुचि के अनुरूप

गुरुकुलों मे अलग अलग विषय अलग अलग गुरु, आचार्यों द्वारा पढ़ाये जाते थे। प्रवेशार्थी छात्र को प्रथम दिवस ही अपने विषय की आवश्यकता और अपनी रुचि को स्पष्ट कर संबंधित गुरु या आचार्य से शिक्षण प्रारंभ करने की व्यवस्था थी। इसके लिए दीक्षा आवश्यक था जिसका समापन दीक्षांत के अनुष्ठान के साथ होता था। इसका यह अर्थ कदापि नही कि उस दिन शिक्षा की समाप्ति हो गयी। यह दीक्षांत केवल इसलिए था कि जिस सम्बंधित आचार्य ने उसे दीक्षा दी थी , उन आचार्य ने अपनी तरफ से संबंधित छात्र को स्नात अर्थात सम्बंधित विद्या या विषय मे निपुण कर दिया और अब उसको वह स्नातक बना कर समाज के लिए के करने को मुक्त कर रहे हैं। परिसर से बाहर आकर समाज मे सम्बंधित स्नातक की पहचान तो संबंधित आचार्य से होगी लेकिन अब आचार्य के लिए उसे कुछ नही करना क्योकि आचार्य ने उसे परिसर से मुक्त किया। यह दीक्षांत स्वय मे एक बड़ा अनुष्ठान होता था जिसमे आचार्य और संबंधित छात्र दोनो को ही शामिल होना होता था। कठोपनिषद में दीक्षांत का व्यापक स्वरूप संकल्प दिए गए हैं।

अब आवश्यकता इस बात की है कि आज के भारत के युवा दीक्षान्त को केवल कॉन्वोकेशन न समझें। यह समारोह प्रायः प्रति वर्ष प्रत्येक विश्वविद्यालय अपने सुविधानुसार आयोजित करते हैं। इस दीक्षान्त की महत्ता को समझना आवश्यक है। दीक्षान्त का अर्थ यह तो कतई नही है कि शिक्षा का अंत हो गया। यह आपकी शिक्षा का अंत नही है लेकिन अभी तक आप जिस परिसर की सुरक्षा में जी रहे थे और केवल पढ़ाई आपका लक्ष्य था, दीक्षान्त के बाद वह लक्ष्य एक बड़ी चुनौती के रूप में बदल जाता है। यह चुनौती समाज मे तैरने की है। परिसर आपको शिक्षित कर के समाज मे उतार रहा है। आपको समाज मे अकेले जूझना है। जीवन से भी और चुनौतियों से भी। आपके संघर्ष में आपकी वही शिक्षा आपकी एकमात्र सहयोगी है जिसके लिए अभी तक आप इस परिसर में रह रहे थे।

अब मूल्यांकन का समय और चुनौतियां दोनो साथ साथ चलेंगे। आपने परिसर में जो अर्जित किया है , आपके सामाजिक उत्थान और यात्रा मे वह समिधा के रूप में कार्य करेगा। यह दीक्षांत इसीलिए शिक्षण अवधि का सबसे महत्वपूर्ण क्षण होता है क्योंकि इसके बाद यह परिसर आपको कोई सुरक्षा नही प्रदान करेगा। यह क्षण यह भी संदेश लेकर आया है कि अब आप जीवन समर में उतर चुके हैं। अपने जीवन को जीने और उसे सुगम बनाने के लिए आवश्यक शिक्षण आपने प्राप्त कर लिया।

हमारे देश की प्राचीन शिक्षण पद्धति के अनेक अवयव पश्चिम ने अपनाए हैं। विश्वविद्यालय जैसे शब्द की परिकल्पना ही भारत की है। जब धरती पर इस शब्द को कोई जानता तक नहीं था तब भी भारत मे ऋषिकुल, गुरुकुल और विश्वविद्यालय होते थे। दीक्षा और दीक्षान्त जैसे संस्कार इन्ही परिसरों में होते थे। कालांतर में सदियों तक भारत पराधीन रहा लेकिन हमारे उन्ही शासकों ने हमारी अनेक पद्धतियों को अपने ढंग से अपनाया और आज विश्व मे वे पद्धतियां प्रचलन में हैं। यह हमारे लिए गर्व की बात है कि आधुनिक भारत अब अपनी प्राचीन गौरवपूर्ण विरासत के साथ आगे बढ़ रहा है। शिक्षा के क्षेत्र में अनेक बदलाव कर इसे भारतीय मूल्यों और परंपराओं से जोड़ने का प्रयास हो रहा है। भारत की विशद प्राचीन ज्ञान परंपरा को सहेजने की कोशिश की जा रही है। नई शिक्षानीति में ऐसे अनेक प्रावधान किये गए हैं। आने वाले दिनों में इसके सार्थक परिणाम भी देखने को अवश्य ही मिलेंगे। यह महत्वपूर्ण है कि नई पीढ़ी को अपनी जड़ों, संस्कारो और मान्यताओं से जोड़ने की प्रकिया तेजी से आगे बढ़ी है। ऐसे समय मे दीक्षान्त जैसे आयोजन और भी महत्वपूर्ण हो जाते हैं। विद्या, ज्ञान, शिक्षा , दीक्षा और दीक्षान्त को यह पीढ़ी ठीक से समझ कर समाज मे उतरेगी तभी राष्ट्र को वैभव के शिखर पर ले जाया जा सकेगा।

इस 26 वे दीक्षांत समारोह में अपनी प्रज्ञा से प्राप्त उपाधिधारकों, का जीवन सुखमय हो, यश,कीर्ति, वैभव से आच्छादित हो ,अपनी प्रतिभा से अपने एवं विश्वविद्यालय को सार्थक सिद्ध करें ।जीवन पर्यन्त नवोन्मेष करें , यही कामना है। परिसर के बाहर परिवार, समाज , राष्ट्र और विश्व आपकी उदित ऊर्जा की प्रतीक्षा में है। आपकी ऊर्जा से अब जग को आलोकित होना है। मुझे विश्वास है कि आप दीक्षांत की सार्थकता भी सिद्ध करेंगे और मनुष्यता का बोध भी स्थापित करेंगे। आप की सुमंगल सफलता की कामनाओं के साथ यह सूत्र अवश्य देना चाहता हूँ–

''प्रज्ञा नवनवोन्मेष शालिनी प्रतिभा माता।''

वंदेमातरम्

बुन्देलखण्ड विश्वविद्यालय
झाँसी

LAYOUT MAP OF BUNDELKHAND UNIVERSITY, JHANSI

1. ADMINISTRATIVE BUILDING
2. GANDHI AUDITORIUM
3. BABU JAGJEEWAN RAM INSTITUTE OF LAW
4. INSTITUTE OF COMPUTER SCIENCE & INFORMATION
5. INSTITUTE OF LIBARY & INFORMATION SCIENCE
6. INSTITUTE OF MANAGEMENT STUDIES
7. NSTITUTE OF ECONOMICS & FINANCE
8. DEPARTMENT OF HINDI
9. DEPARTMENT OF MASS COMMUNICATION & JOURNALISM
10. UTILITY CENTER & BANK
11. DEPARTMENT OF MICROBIOLOGY & BIOCHEMISTRY
12. INSTITUTE OF FOOD TECHNOLOGY
13. INSTITUTE OF PHARMACY
14. INSTITUTE OF EARTH SCIENCES
15. INSTITUTE OF ENGINEERING & TECHNOLOGY
17. VIGYAN BHAWAN
18. CENTRAL LIBRARY
19. MECHANICAL WORKSHOP
20. MECHANICAL & ENGINEERING DEPARTMENT
21. DR. APJ INSTITUTE OF FORENSIC SCIENCE & CRIMINOLOGY
22. COMPUTER SCIENCE
23. INSTITUTE OF BIOMEDICAL SCIENCE
24. INNOVATION CENTER
25. ANIMAL HOUSE
26. RAJEEV GANDHI INDOOR STADIUM
27. ALUMNI BUILDING & DSW OFFICE
28. DEPARTMENT OF PHYSIOTHERAPY
29. SEISMOGRAPH CENTRE OF IMD
30. AUTOMATIC WEATHER STATION
31. INSTITUTE OF SOCIAL SCIENCE & AGRICULTURAL SCIENCE
32. INSTITUTE OF TOURISM HOTEL MANAGEMENT
33. CPMT BUILDING & CODING CENTRE
34. INSTITUTE OF EDUCATION
35. INSTITUTE OF HOME SCIENCE
36. EXAMINATION BUILDING

H1. SAMTA GIRLS HOSTEL
H2. JHALKARI BAI GIRLS HOSTEL
H3. P. G. GIRLS HOSTEL
H4. O.B.C. GIRLS HOSTEL
H5. SAMTA BOYS HOSTEL
H6. LORD BUDDHA BOYS HOSTEL
H7. O.B.C. BOYS HOSTEL

Legend

- UNIVERSITY BOUNDARY
- ROADS
- ACADEMIC BUILDINGS
- RESIDENCIAL BUILDINGS
- HOSTELS
- HEALTH CENTRE
- PARKS
- PLAY GROUND
- GUEST HOUSE
- CAFETERIA
- GATES
- ADMINISTRATIVE BUILDING

Agriculture farm and watersheds of Bundelkhand University

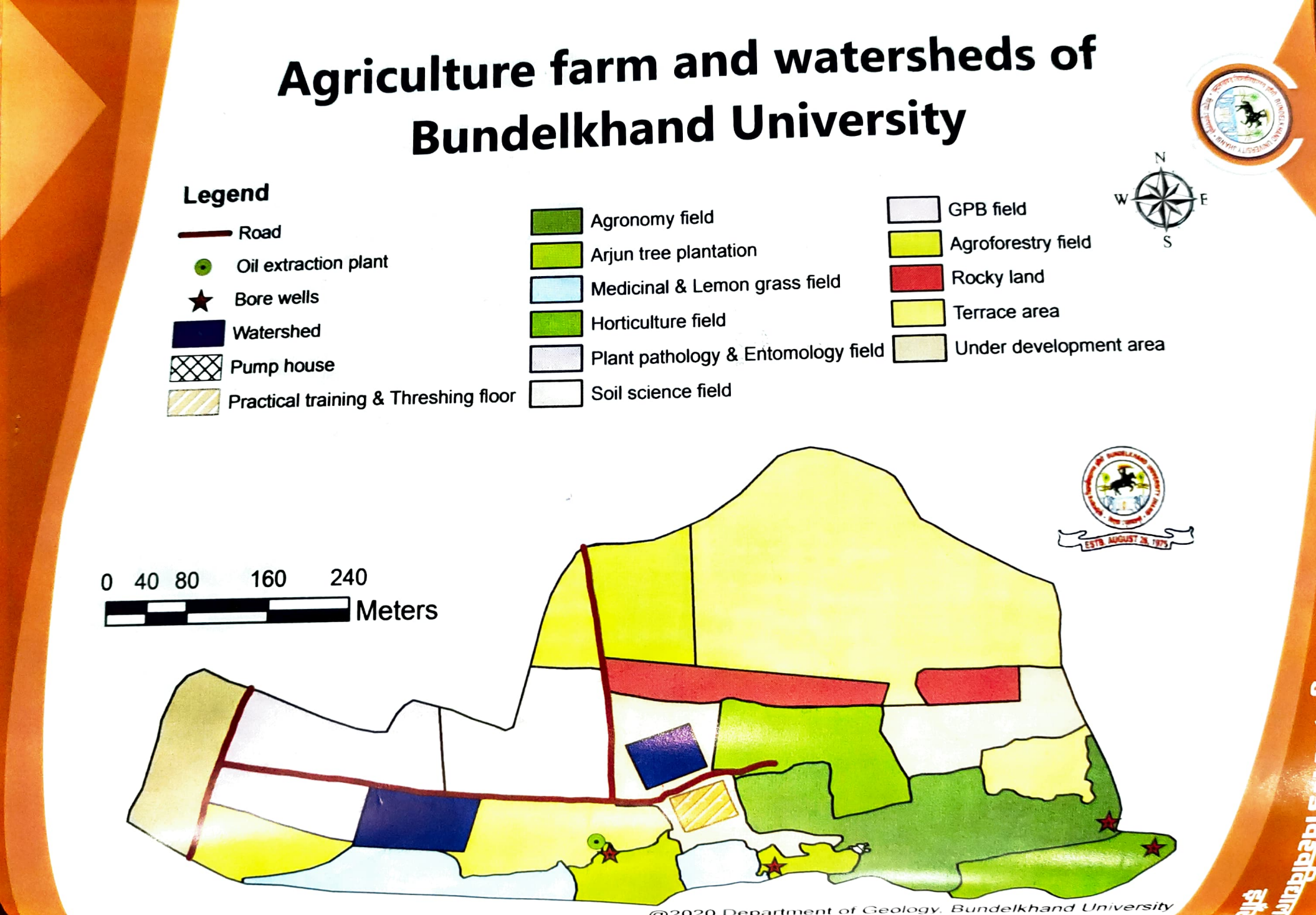

२६वें दीक्षांत समारोह की

कुछ झलकियाँ...

बुन्देलखण्ड विश्वविद्यालय, झाँसी

कानपुर रोड, झाँसी - 284128, उत्तर प्रदेश